Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत लोग और अर्थव्यवस्था

कक्षा -12

अध्याय -4

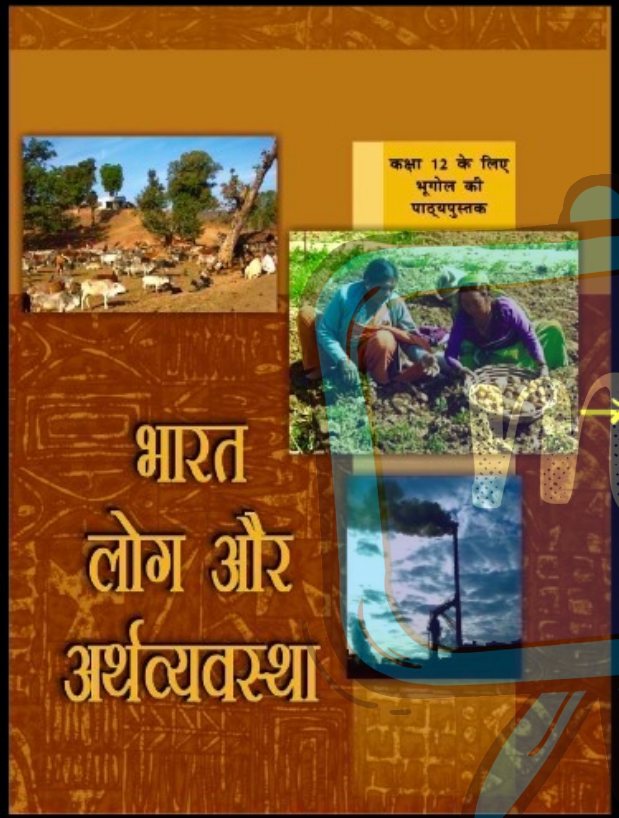
जल संसाधन

भाग - 3

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ✗

C-3 : मानव विकास ✗

C-4 : निर्माण उद्योग ✗

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- सिंचाई की पर्याप्त उपलब्धता के कारण ही कौनसे राज्यों/क्षेत्रों में हरित-क्रान्ति की रणनीति अधिक सफल हुई है?

(a) पंजाब

(b) हरियाणा

(c) पश्चिमी उत्तर-प्रदेश

(d) उपर्युक्त सभी.

mg

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्र:- भूमिगत-जल का स्तर निरन्तर नीचे गिरने से निम्न में से किन क्षेत्रों में जल में फ्लोराइड का संकेन्द्रण बढ़ा है?

(a) राजस्थान

(b) महाराष्ट्र

(c) a तथा b दोनों

(d) न तो a और न ही b



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- भूमिगत-जल का स्तर निरन्तर नीचे गिरने से निम्न में से किन क्षेत्रों में जल में आर्सेनिक का संकेन्द्रण बढ़ा है?

(a) पश्चिम - बंगाल

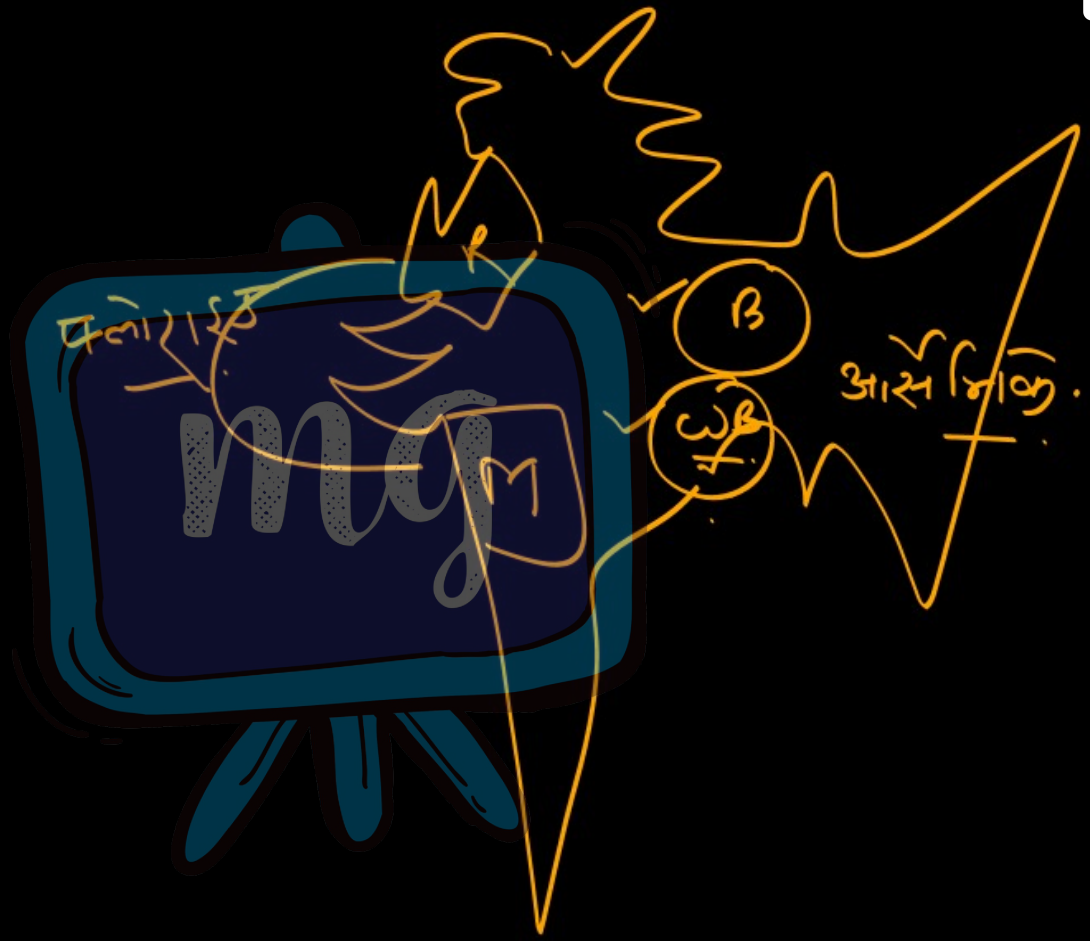
(b) बिहार

(c) a तथा b दोनों

(d) न तो a और न ही b

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- भारत में सिंचाई की आवश्यकता क्यों है?

(a) मानसून की अनिश्चितता

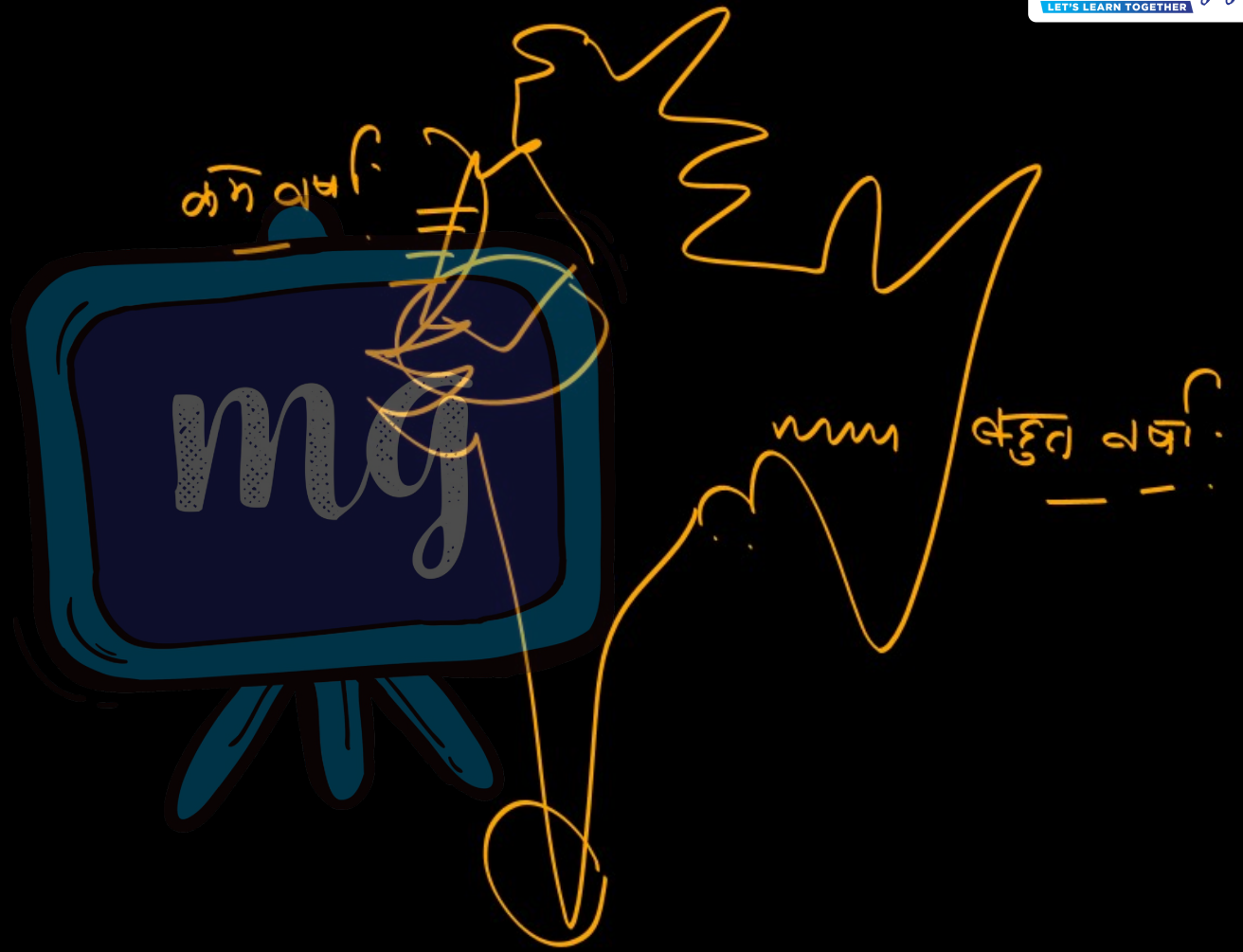
(b) मानसून में सामयिक परिवर्तनशीलता

(c) मानसून में स्थानिक परिवर्तनशीलता

(d) उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- निम्न में से कौनसे पदार्थ जल को प्रदूषित करते है ?

(a) औद्योगिक अपशिष्ट

(b) कृषि में प्रयोग होने वाले रसायन

(c) सूक्ष्मजीव

(d) उपर्युक्त सभी



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- जल संरक्षण व प्रबन्धन के लिए निम्न में से कौन-कौन से कदम उठाए जा सकते है?

(a) प्रदूषण से बचाव

(b) जल का पुनः चक्रण एवं उपयोग

(c) वर्षा जल-संग्रहण

(d) उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अब:

जल के गुणों का ह्रास



- जल में अवांछित बाह्य पदार्थों से जल प्रदूषित होता है। जैसे- सूक्ष्मजीवों, रासायनिक पदार्थों एवं औद्योगिक अपशिष्टों के मिश्रण से।
- जब प्रदूषक तत्व भूमि में नीचे भी पहुँच जाते हैं तो भौम जल को प्रदूषित करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जल संरक्षण एवं प्रबन्ध

- भारत में स्वच्छ जल की घटती उपलब्धता तथा बढ़ती मांग के कारण जल संरक्षण व प्रबन्धन के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।
- जल बचत तकनीक और विधियों का विकास
- प्रदूषण से बचाव के उपाय
- जल-संभर विकास
- वर्षा जल संग्रहण
- जल के पुनः चक्रण एवं उपयोग

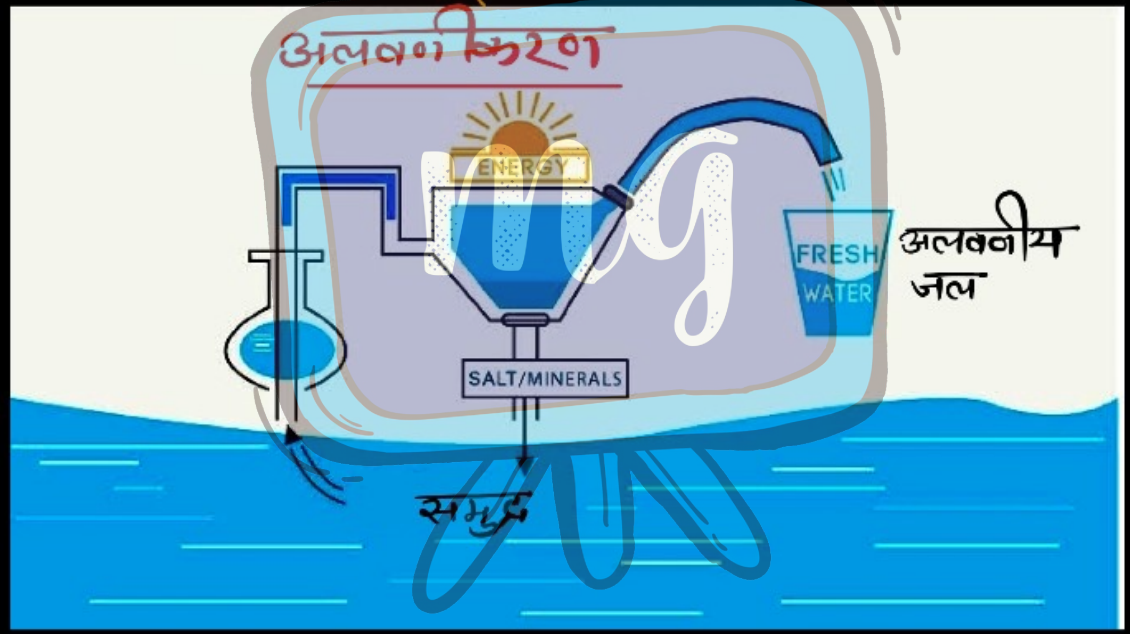
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अलवणीकरण

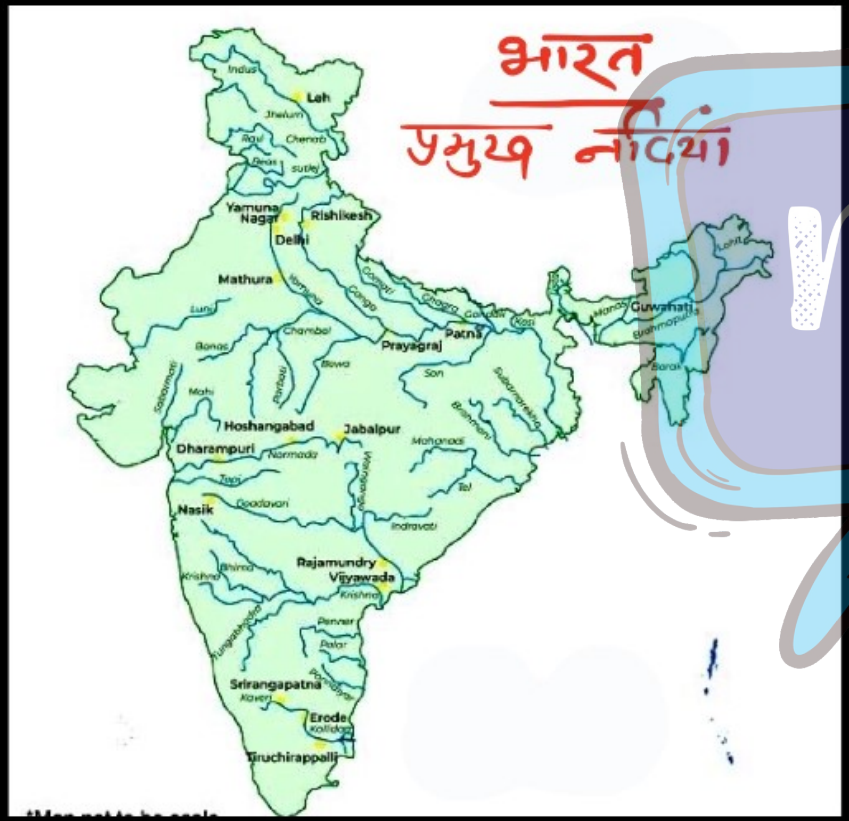
71% → 97%

~~लवण~~



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

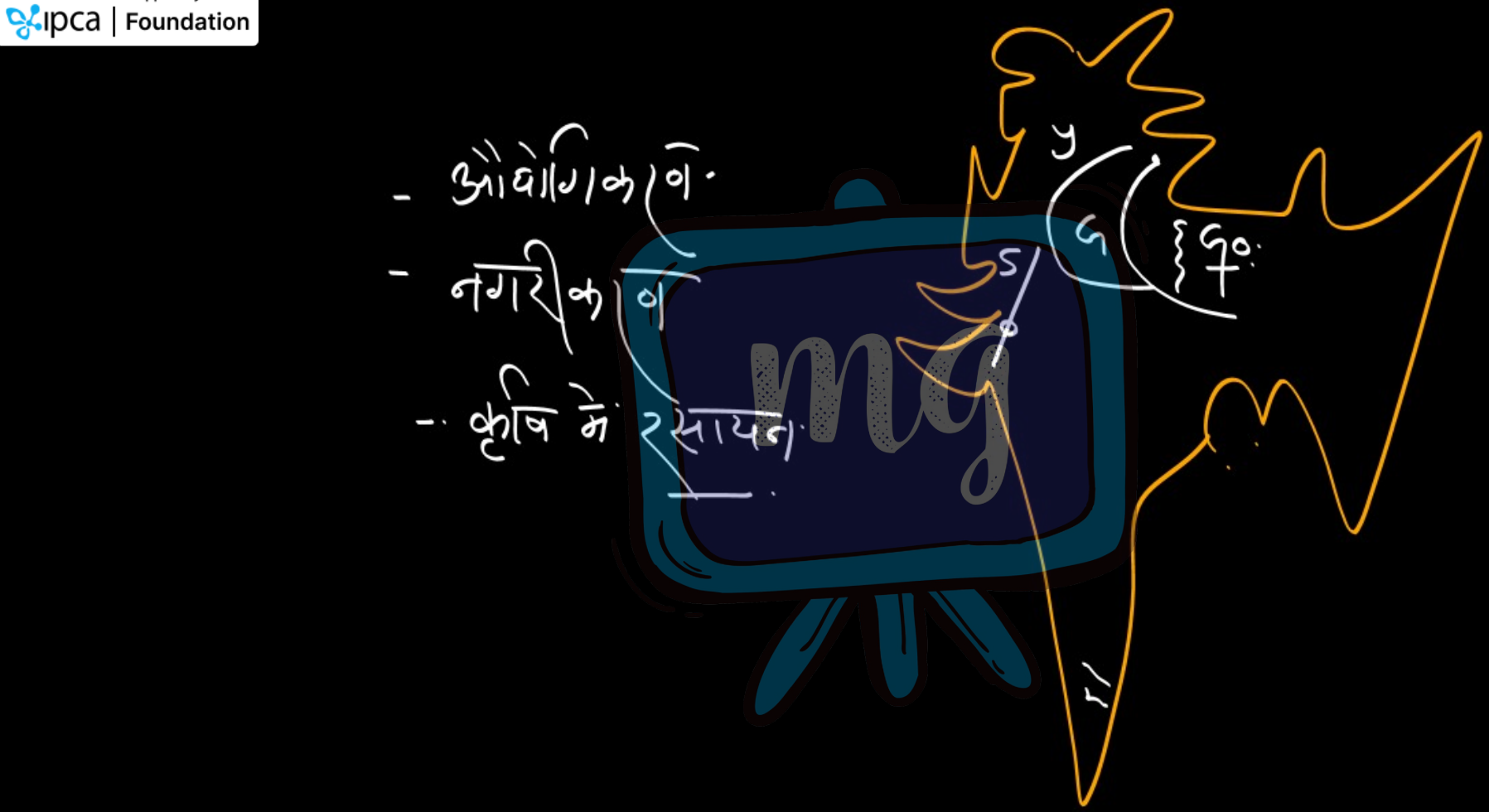


जल प्रदूषण का निवरण

- नदियों में प्रदूषकों का संकेन्द्रण बढ़ रहा है।
- केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (SPCB) जल संसाधन की गुणवत्ता 507 स्टेशनों पर मॉनीटरिंग कर रहे हैं।
- दिल्ली व इटावा के मध्य यमुना नदी सर्वाधिक प्रदूषित नदी है।
- अहमदाबाद में साबरमती।
- लखनऊ में गोमती।
- मदुरई में काली, अडयार।
- कानपुर व वाराणसी में गंगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

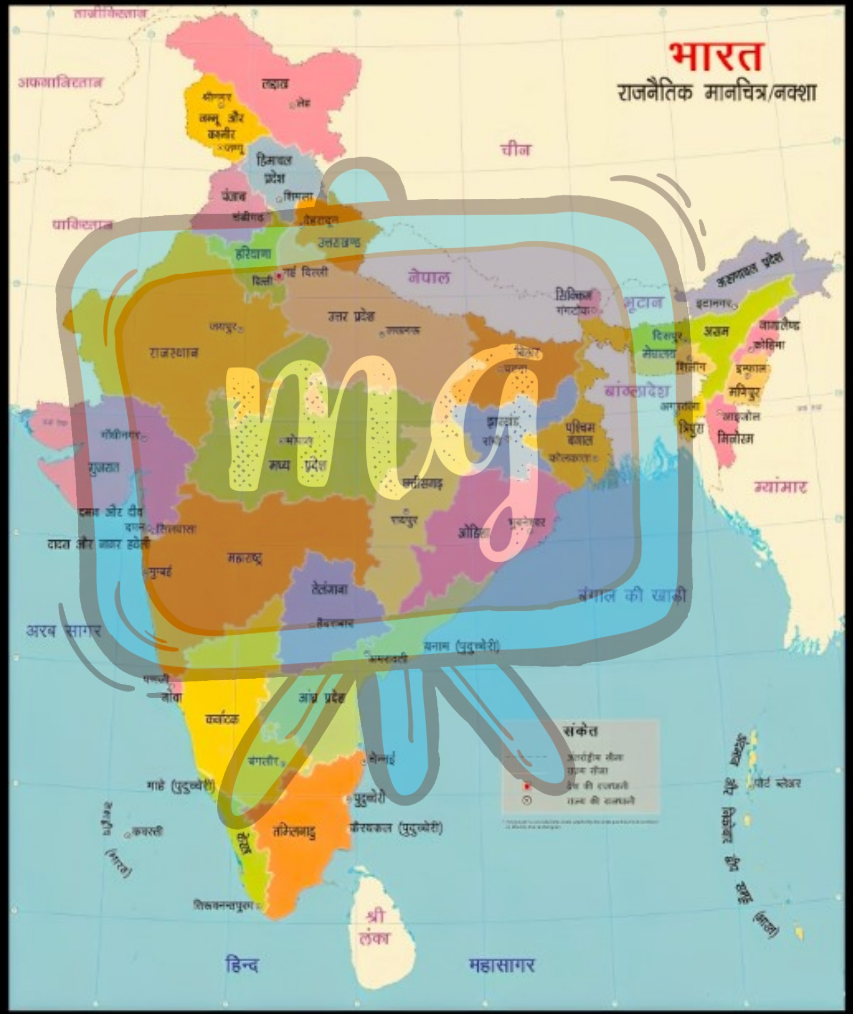
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जल अधिनियम - 1974



कानून

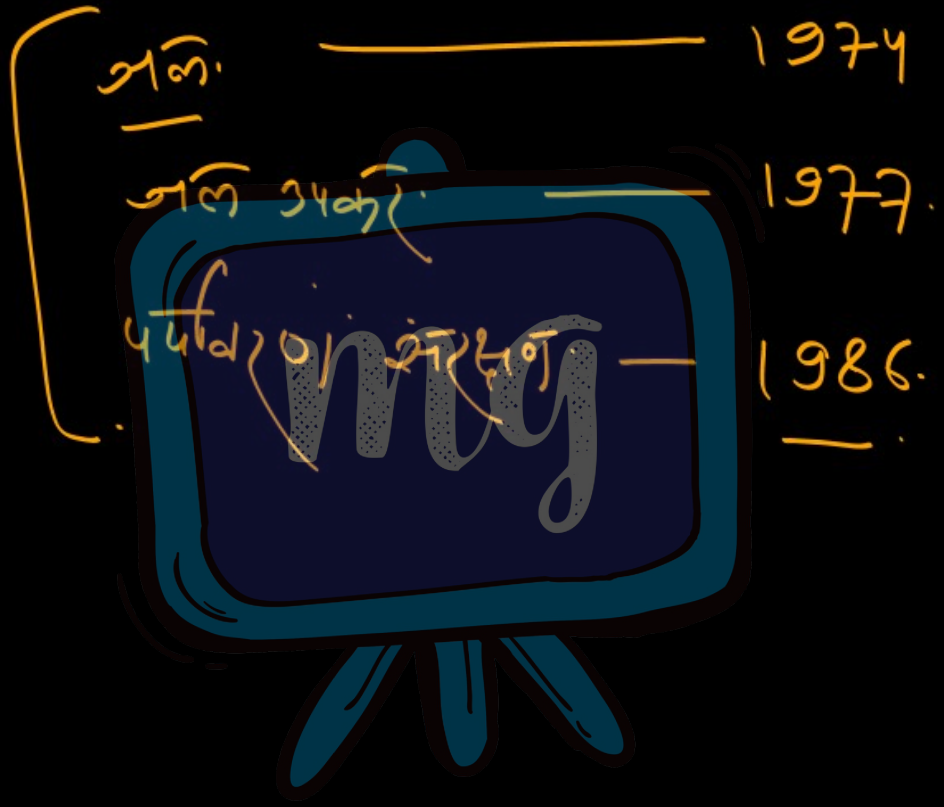
वैधानिक व्यवस्था

- जल अधिनियम 1974
- जल उपकर अधिनियम 1977
- पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





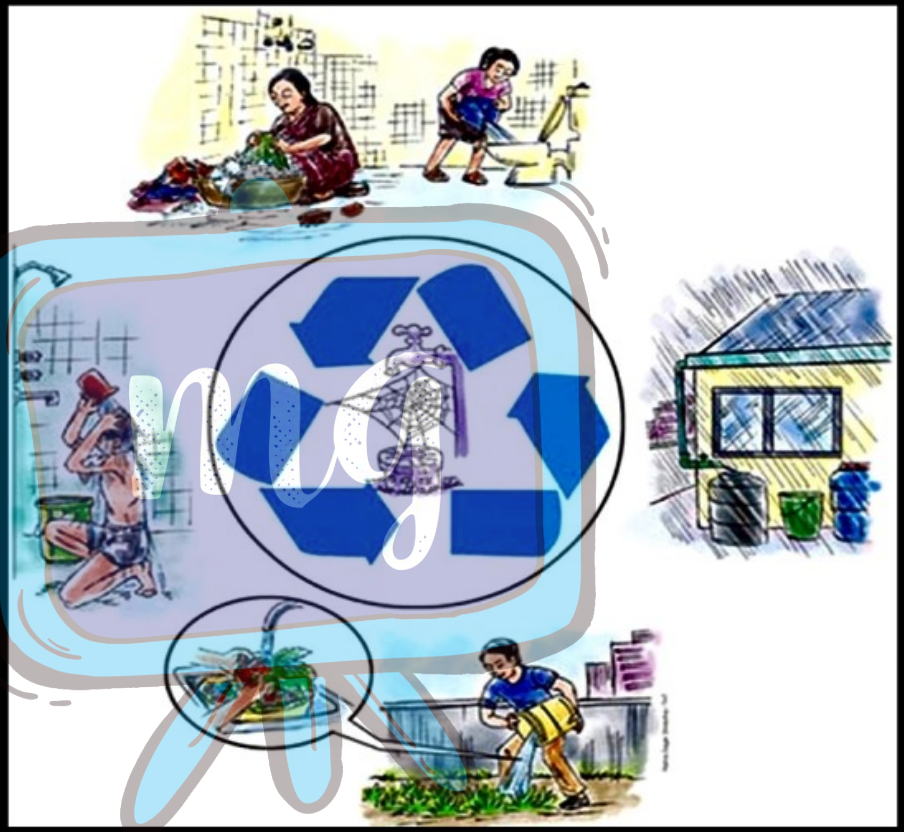
जल का पुनः चक्र और पुनः उपयोग

- कम गुणवत्ता वाले जल (जैसे शोधित अपशिष्ट जल) का उपयोग उद्योगों में शीतलन व अग्निशमन के लिए किया जा सकता है।
- नगरीय क्षेत्रों में स्नान, बर्तन धोने और मोटर गाड़ियों की सफाई में प्रयुक्त जल को बागवानी के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

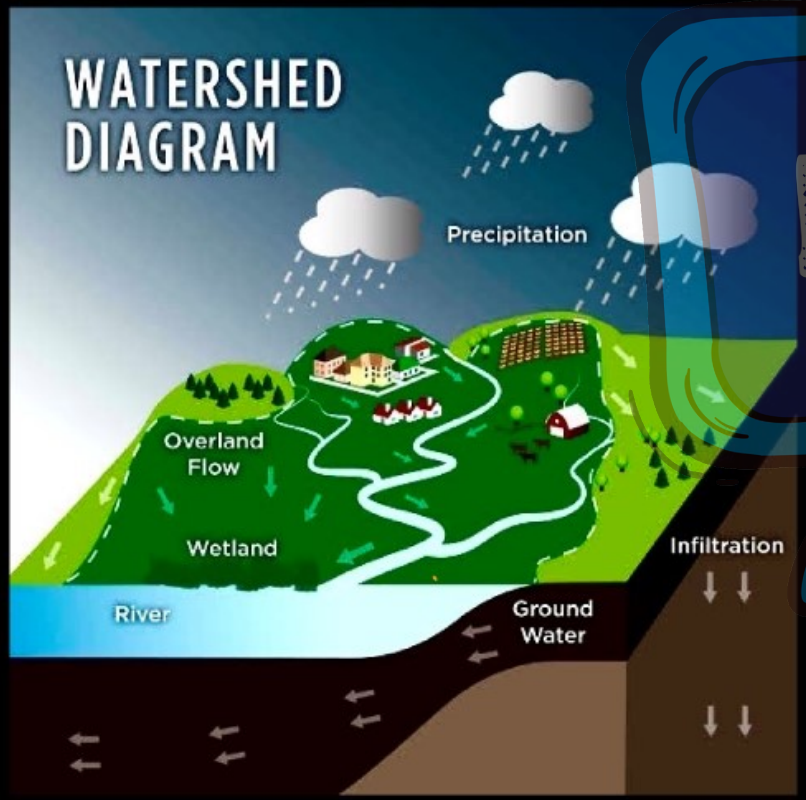
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

जल-संभर प्रबंधन



जल संभर प्रबन्धन

- "धरातलीय और भौमजल संसाधनों का कुशल प्रबन्धन जल संभर प्रबन्धन कहलाता है।"
- विस्तृत अर्थ में जल संभर प्रबन्धन के अन्तर्गत सभी प्राकृतिक (जैसे- भूमि, जल, पौधे तथा प्राणियों) और मानवीय संसाधनों के संरक्षण, पुनरुत्पादन और विवेकपूर्ण उपयोग को सम्मिलित किया जाता है।
- जल संभर प्रबन्धन का प्रमुख उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों तथा समाज के मध्य सन्तुलन स्थापित करना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

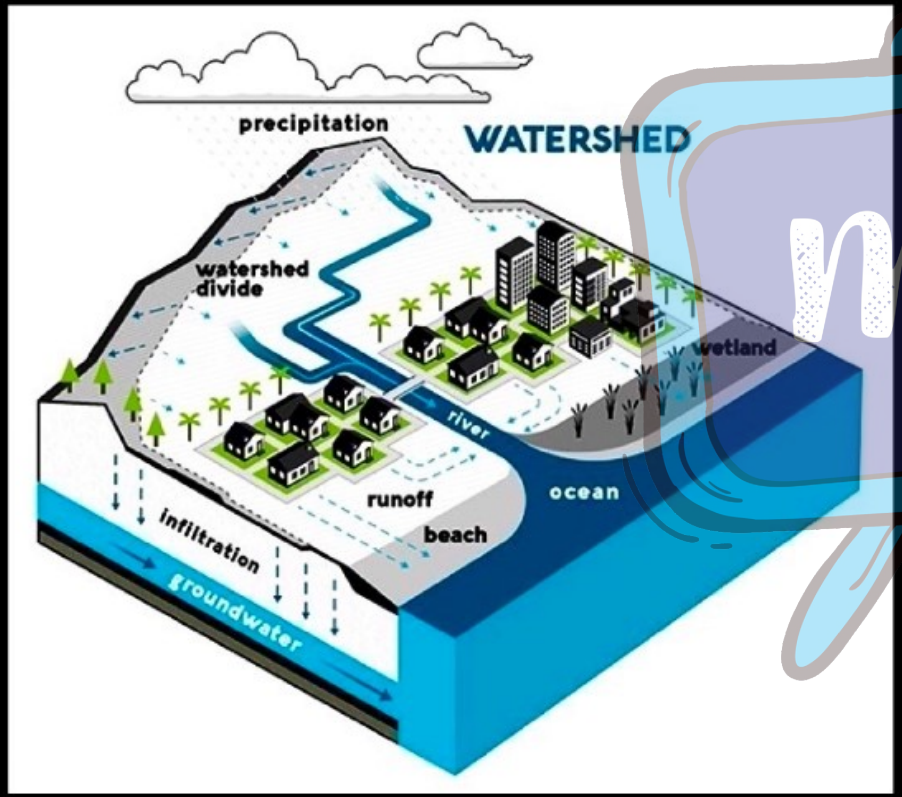
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



অলংকার :

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- भारत के कुछ क्षेत्रों में राज्य तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा अनेक जल संभर विकास व प्रबन्धन कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।
- इनमें से कुछ कार्यक्रम गैर-सरकारी संगठनों द्वारा भी चलाये जा रहे हैं। हरियाली (केन्द्र सरकार), नीरू-मीरू (आंध्र प्रदेश) तथा अरवारी पानी संसद (अलवर, राजस्थान) भारत के कुछ जल संभर कार्यक्रम हैं।

- तालाबों की खुदाई
- छोटे बांधों का निर्माण
- वृक्षारोपण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





